नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २४० वि.सं. २०८२ चैत १५ गते अँट्वार थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 29 March 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

पूर्व प्रधानमन्त्री ओली ओ लेखक पत्काउ

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, १४ काठमाडौं । पूर्व प्रधानमन्त्री ओ केपी शर्मा ओली ओ पूर्व गृहमन्त्री रमेश लेखक पत्काउ परल बटै ।

नयाँ सरकार बनल लगत्ते बैठल मन्त्रिपरिषद् बैठकसे गौरीबहादुर कार्की नेतृत्वके जाँचबुझ आयोगसे तयार पारल प्रतिवेदन कार्यान्वयन कैना निर्णय करल रहे ।

पूर्वप्रधानमन्त्री ओलीहे गुण्डुस्थित निवाससे प्रहरीसे पत्काउ करल रहे । अपराध अनुसन्धान कार्यालय टेकुके एसएसपी सन्तोष खड्का नेतृत्वके टोलीसे उहाँहि निवाससे पत्काउ करल रहे । उहाँहि पत्काउ कैना रातसे प्रहरी टोली ओली निवास गुण्डु पुगल रहे ।

ओली नेतृत्वके तत्कालीन सरकारके गृहमन्त्री रमेश लेखकहेफे शनिच्चर सकारे प्रहरीसे भक्तपुरके कुटुन्जेस्थित निवाससे पत्काउ करले बा ।

भदौ २३ गतेके जेनजी आन्दोलनमे १९ जानेक ज्यान जैना घटनाममे संलग्न हुइल आरोपके अनुसन्धानके लाग कहटी प्रहरीसे ओली ओ लेखकहे पत्काउ करल हो ।

नेपालके इतिहासमे मुलुकके कार्यकारी प्रमुख ज्यान मुद्दामे पत्काउ परल यी पहिल घटना हो । यी आघे कतिपय अवस्थामे राजनीतिक प्रकृतिके घटना ओ प्रदर्शनमे पूर्वप्रधानमन्त्री प्रहरी नियन्त्रणमे रहलेसेफे फौजदारी जाहेरीके अनुसन्धानके सिलसिलामे पत्काउ परल नैरहिट ।

तीन दिनआघे मिडियामे सार्वजनिक हुइल जाँचबुझ आयोगके प्रतिवेदनमे पूर्वप्रधानमन्त्री ओली, तत्कालीन गृहमन्त्री रमेश लेखक, पूर्वप्रहरी महानिरिक्षक चन्द्रकुवेर खापुङ लगायतउप्पर मुलुकी अपराध संहिता २०७४ के दफा १८२ के कसुर करल आरोपमे पत्काउ करल हो ।

उ दफामे 'हेलचक्र्याई करके ज्यान मारे नैहुइना' कना व्यवस्था बा । हेलचेक्राईपूर्वक केत्रे ज्यान मर्ना काम करलमे ३ वर्षसम कैद ओ ३० हजार रुप्याससम जरिवाना हुई सेकी ।

ओली-लेखकके रिहा मग्टी प्रदर्शन

पूर्वप्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली ओ पूर्वगृहमन्त्री रमेश लेखकहे रिहा कैना माग करटी देशके टमान ठाउँलगायत धनगढीफे प्रदर्शन करल बा । नेकपा एमालेके केन्ीय सर्कुलर अनुसार जिल्लामे क्रियाशील २३ जनसंगठनके संयुक्त आयोजनामे धनगढीमे शनिच्चर दुपहर प्रदर्शन करल हो । एमाले पार्टी कार्यालयसे जिल्ला प्रशासन कार्यालयके मूल गेटसम सरकारविरुद्ध नारा बाजी करटी प्रदर्शन करल बा ।

प्रदर्शनपाछे जिल्ला प्रशासन कार्यालयके मूल गेट आघेक सडकमे आयोजित कोण सभाहे अनेरास्ववियु कैलालीके अध्यक्ष कुबेर खड्का, किसान महासंघ सुदूरपश्चिमके नेता मदन रेग्मी ओ भूमीहीन सुकुम्बासी संगठनके केन्ीय उपमहासचिव लोकेन्् सिंह सम्बोधन करल रहिट ।

ओस्टेक करके नेपाली कांग्रेस सुदूर पश्चिम प्रदेशके महामन्त्री मेघराज खड्कासे पूर्वप्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली ओ पूर्वगृहमन्त्री रमेश लेखकहे करल पत्काउके विरोध करले बटै । सदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके सामाजिक विकासमन्त्री खड्का विधि ओ प्रक्रिया नैपुगाके ओली-लेखकहे पत्काउ करल कहटी विरोध करल हुइट ।

'पूर्वप्रधानमन्त्री ओली ओ पूर्वगृहमन्त्री लेखकके पत्काउ विधि ओ प्रक्रिया नैपुगाके पूर्वाग्रही ओ प्रतिशोधपूर्ण कदम हो घोर निन्दा करटु,' उहाँ सोसल मिडिया प्लेटफर्म 'एक्स' पोस्टमे कहले बटै ।

कैलालीमे संयुक्त सुरक्षा बैठक

उच्च सतर्कता अपनैना निर्णय

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ चैत । कैलाली जिल्लाके पाछिल्लो सुरक्षा अवस्थाहे मध्यनजर कैटी प्रदेश तथा जिल्ला सुरक्षा समिति कैलालीके संयुक्त सुरक्षा बैठक सम्पन्न हुइल बा ।

जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलालीमे शनिच्चर सकारे प्रमुख जिल्ला अधिकारीके कार्यकक्षमे बैठल बैठकसे जिल्लाके शान्ति सुरक्षाके समग्र अवस्थाबारे समीक्षा कैनाके साथे अइना दिनमे अपनाजैना रणनीतिबारे महत्वपूर्ण निर्णय करल बा ।

बैठकमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रमुख सचिव बैकुण्ठप्रसाद अर्यालके उपस्थिति रहल रहे कलेसे सुदूरपश्चिम पूतना मुख्यालयके पूतनापति उपरथी किरण केसी, आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालयके सचिव तेजप्रकाश जोशी, प्रमुख जिल्ला अधिकारी हिरालाल रेग्मी, राष्ट्रिय अनुसन्धान विभाग सुदूरपश्चिमके निर्देशक किशोर कुमार श्रेष्ठ लगायत नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी तथा सशस्त्र प्रहरी बलके उच्च अधिकारीनके सहभागिता रहल रहे ।

बैठकसे हाल कैलाली जिल्लाके शान्ति सुरक्षा अवस्था सामान्य रहल निष्कर्ष निकारल बा । यद्यपि, देशके पछिल्लो बडलटी रहल राजनीतिक तथा सामाजिक परिस्थितिहे दृष्टिगत कैटी सम्भावित चुनौतीके सामना कैना गतिविधि डेखलमे तुरुन्त सुरक्षा निकायहे जानकारी करैना सर्वसाधारणमे आग्रह करल बावै ।

साथे, अफवाह ओ भ्रामक सूचनासे सचेत रहना तथा सामाजिक सद्भाव कायम रख्ना सक्कु पक्षहे आह्वान करल बा । समग्रमे, बैठकसे जिल्लामे शान्ति सुरक्षा अवस्था सामान्य रहलेसे फेन संभावित जोखिमहे समयमे व्यवस्थापन कैना पूर्वतयारी स्वरूप सुरक्षा संयन्त्रहे थप मजबुत बनैना निर्णय करल जनाइल बा ।

सुरक्षा संयन्त्रहे थप सक्रिय, समन्वयात्मक ओ सतर्क बनैना निर्णय करल बा ।

विशेष कैके सम्भावित विरोध प्रदर्शन, जुलुस तथा टमान राजनीतिक गतिविधि शान्ति सुरक्षामा असर पारे सेक्ना हुइल ओरसे ओइसीन गतिविधिउपर निगरानी बह्दैना, आवश्यक स्थानमे सुरक्षा उपस्थिति सुदृढ कैना तथा समयमे सूचना आदानप्रदान कैना विषयमे जोड डेहल बा । बैठकसे सक्कु सुरक्षा निकायबीच आपसी सहकार्य ओ समन्वयहे आउर प्रभावकारी बनैटी उच्च सतर्कताके साथ परिचालन हुइना निर्णय समेत करल बा ।

ओस्टके, पूर्वप्रधानमन्त्री तथा गृहमन्त्रीसँग सम्बन्धित पछिल्लो घटनाक्रमके कारण उत्पन्न हुइ सेक्ना संवेदनशील अवस्थाहे ध्यानमे रख्टी जिल्लाके मुख्य चोक, बजार क्षेत्र, सरकारी कार्यालय, सीमा नाका तथा अन्य संवेदनशील स्थानमे निगरानी बह्दैना, चेकजाँच कडाइ कैना ओ आवश्यक सुरक्षा रणनीति प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैना निर्णय करल बा ।

बैठकमे सहभागी अधिकारीहुक्के शान्ति सुरक्षा कायम राखक लाग नागरिकके सहयोग अपरिहार्य रहल उल्लेख कैटी कौनो फेन शंकास्पद

पाठेघरके मुखके क्यान्सर परीक्षण शिविर सञ्चालन हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १४ चैत । धनगढी उप-महानगरपालिकासे नियमित चौठा वर्षफे महिलाके प्रजनन स्वास्थ्य सुदृढीकरण कैना उद्देश्यले "प्रजनन स्वास्थ्य एकीकृत रोग नियन्त्रण कार्यक्रम" अन्तर्गत एचपीभि डिएनए विधिसे पाठेघरके मुखके क्यान्सर (सर्भाइकल क्यान्सर) परीक्षण सम्बन्धी निःशुल्क शिविर सञ्चालन करेक लाग बा ।

नगर कार्यपालिकाके कार्यालयसे सार्वजनिक करल सूचनाअनुसार उ शिविर २०८२ साल चैत्र १५ गतेसे टमान वडामे चरणबद्ध रूपमे सञ्चालन कैना बा । कार्यक्रम बिहान १०:०० बजेसे दुपहर ३ बजेसम सञ्चालन हुइना जनाइल बा ।

कार्यतालिकाअनुसार चैत्र १५ गते वडा नं. ७ स्थित शहरी स्वास्थ्य प्रवर्द्धन केन्, बेली शिविर सुरु हुइना बा कलेसे चैत्र १६ गते वडा नं. १९ के फुलबारी स्वास्थ्य चौकीमे सञ्चालन कैना बा । ओस्टेक करके चैत्र १७ गते वडा नं. ८ के आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्मे सेवा प्रदान कैना बा । चैत्र २० गते वडा नं. ३ ओ चैत्र २२ गते वडा नं. ४ के आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्मे शिविर सञ्चालन हुइना बा ।

ओस्टे चैत्र २३ गते वडा नं. १३ स्थित शहरी स्वास्थ्य केन्, कैलाली गाउँमे कार्यक्रम हुइना जनाइल बा कलेसे चैत्र २५ गते वडा नं. ५ के आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्मे सेवा प्रदान कैना बा । अन्तिम चरणमे चैत्र २६ गते वडा नं. ६ स्थित शहरी स्वास्थ्य केन्द्र, मटियारीमे शिविर सञ्चालन हुइना बा ।

यी कार्यक्रम अन्तर्गत ३० वर्षसे उप्परके तथा महिनावारी बन्द नैहुइल महिलाहुक्रे, एचपीभि डिएनए परीक्षण कराइल ५ वर्ष पूरा हुइल महिलाहुक्रे ओ यी आघे परीक्षण करेबेर पोजिटिभ नतिजा आइल महिलाहुकनहे लक्षित करल बा । *(बाँकी २ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

पाठेघरके मुखके क्यान्सर...

धनगढीके नगर प्रमुख गोपाल हमालसे महिलाके स्वास्थ्य सुरक्षाहे प्राथमिकतामे रख्टी यैसिन कार्यक्रम सञ्चालन करल बटैले बटै । उहाँ सक्कु योग्य महिलाहे निःशुल्क परीक्षण सेवा लेना आग्रह करटी समयमे परीक्षण कराइल पाठेघरके मुखके क्यान्सरसे जोगे सेक्ना उल्लेख करले बटै ।

पाठेघरके मुखके क्यान्सर महिलामे डेख्ना प्रमुख क्यान्सरमध्ये एक हुइल ओरसे समयमे परीक्षण ओ पहिचान अत्यन्त आवश्यक मानजाइठ । एचपीभि डिएनए विधि आधुनिक तथा प्रभावकारी परीक्षण प्रणाली हुइल ओरसे रोगके प्रारम्भिक अवस्थामे पहिचान कैना सहयोग पुग्न विश्वास करल बा ।

धनगढी उप-महानगरपालिकासे सम्बन्धित वडामे बसोबास कैना सक्कु योग्य महिलाहुकनहे अपनहे पायक पर्ना स्थानमे सञ्चालन हुइना शिविरमे उपस्थित हुके सेवा लेना आग्रह करले बा । यी कार्यक्रम विगत तीन वर्षसे संचालनमे रहल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ शिवपुरीटोल स्थित कित्ता नं. ४४७ क्षेत्रफल २०४ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री देवेन्द्रबहादुर कुँवरले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: कुमारी कमल भट्ट | पश्चिम: मन्नु भट्ट
उत्तर: अम्बिका रिजाल | दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १२ जुगेडा स्थित कित्ता नं. २०७ क्षेत्रफल ३३०.६८ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मुनादेवी ओलीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्व: हर्कसिंह भाट | पश्चिम: सडक
उत्तर: प्रयागदत्त जोशी | दक्षिण: दलबहादुर न्यौपाने

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकिठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

पर्यावरण जगेर्नाके ज्ञान

विचार
पूजा शर्मा

पश्चिम नेपालके पर्वत जिल्लाके एक गाउँमे करिब तीन दशकआघे मोर जन्म हुइल । मै अपन बाल्यकालसे किशोरावस्थासम वहाँक भूगोल, वनजंगल, खेतबारी, कान्ला, थुम्का, तरेलीसँग खेल्टि उ परिवेशसँग हुकर्ल, बह्रल । मोर घरआगे तुलसीके मठ, अमलाके बोट, अन्य फलफूललगायत टमान जातजातिके रुख ओ वनस्पति रहे । छोटेसे घरमे पालके बाख्रा, भेडा, गाई, भैँसीहे स्याउला ओ घाँस लेना मै साथी संगीसँग ओहे वरपरके वनजंगल, खेतबारी चहारैं । ओहेबेलासे अपन वरपरके सक्कु बालीनाली, वनजंगल ओ वहाँके प्राकृतिक छटासे भरिपूर्ण भूगोल प्रिय लागे । घरमे बुडु, बुडी ओ डाइ बाबा महिन एकडम कहैं, "हेर लर्को, घरभित्तरके ओ घरबाहिरके सब काम करना पाछे परे नैपरठ जन्लो ! गाउँघरके बोटबिरुवा, घाँसपात ओ माटिसँग खेले हुर्के सिखे परठ" कटि बारम्बार सम्झाइ । किशोरावस्था पार करलपाछे अग्रजसे कहल उ वनस्पति ओ माटिके महिमाके चुरो बाट बुझ्नु, ओ हम्रे वास्तविक घर धर्तीरहल ओ आकाश हमार छाना हो रहल कना बाट फेन पत्ता पैनु । सूर्य हमार जीवनदाता हो, जेकर आभामण्डलमे अवस्थित यी सुन्दर सृष्टिके चक्र पर्यावरण हो कना बाट फेन बह्रल उमेर सँगसँगे बुझ्टी गैनु ।

पूर्वीय ज्ञान परम्परामे जोनबेलासे कुछ ढेर चासो हुइ लागल तब मै बुझ्नु- यी जगत् ओ पर्यावरण सुन्दर रहठ । यकर शिल्पकारसे यिहिनहे भारी मनोयोगसे रचेल रहे । धर्तीहि अनुशासनमे बाँध्न अनन्त आकाशके रचना रहल कना सूर्यहे जगतके प्राणदाता बनाइल रहठ । सौर्यमण्डलके परिक्रमाके कारणसे मनैन्के जीवन नियमबद्ध हुइल रहठ । यी धरामे पर्वत, हिमशृंखलासे मैदान, मरुभूमि ओ सागर आदिसहित यी भूगोलके उपस्थिति रहठ । फरक फरक पशु प्रजाति ओ पक्षी, मेरमेरिक जीवनदायी वनस्पति ओ दिव्य छटायुक्त फलफूल, कन्दमूल ओ टमान मेरिक अद्भूत लालित्य लेके अत्रा सुन्दर कालजयी रचना निर्माण हुइल रहठ । हम्रे मनै पाइल सबसे भारी उपहार यी अनमोल पर्यावरण हो, जेकर व्यापकता, विशालता ओ गाम्भिर्यताके वर्णन शब्दसे डुर रहल कना बाट कुछ बुझगिल ।

पूर्वीय सनातन परम्परामे यी अटल विश्वास बा कि यी विश्व ब्रह्माण्डके सर्वशक्तिमान भगवान्से जब यी संसारके सृष्टि करल, तब उहाँ मानव समाजहे दुई बहुमूल्य उपहार प्रदान करल । यीमध्ये पहिलो वेद रहे ओम्ने पुरुषार्थचतुष्टय (धर्म, अर्थ, काम ओ मोक्ष) के प्राप्तिके वर्णन बा । भगवत्प्रदत्त दोसर उपहार रहे- पर्यावरण जोन पन्चमहाभूत (पृथ्वी, जल, तेज, वायु ओ आकाश) युक्त रहल बा । हम्रिहिनहे चारुओरसे घेरके ढरना सब तत्व (पन्चमहाभूत) के समष्टिहे पर्यावरण कहिजाइठ । मानव सास फेरना आवश्यक वायु, तिर्खा मेटैना चाहल जल, भोक मेटैना अन्न तथा फल ओ बच्न सब जीवनके आधार यिहे धर्तीसे प्राप्त हुइना करठ ।

हमार परम्परासे बुझके यी पर्यावरण एक आचरण, व्यवहार ओ समग्र अन्तरनिर्भर व्यवस्था हो, ओम्ने यी रहस्यमय जगत् ओ यी सुन्दर सृष्टि अवस्थित बा । पर्यावरण शब्दके चर्चा कैके 'परि-आवरण' अर्थात् 'प' से पृथ्वी, 'र' से रस अर्थात् पानी, 'आ' से आकाश तथा 'वरण' से कौनो विशेष शक्तिसे ओकर सञ्चालन ओ नियन्त्रण रहल बा कना बुझल रहठ । यकर भाग, विभागमे पृथ्वी, आकाशमण्डल, पर्वत, पशु, पन्छी, बिरुवा एवं नदी तथा सागर रहल बा । यकर पोषक प्रत्यक्ष रूपमे तथा शास्त्रके आधारमे फेन सूर्य प्रमुख डेखाइठ । सूर्यके उदय ओ अस्तमे धर्तीके जीवनशैली निर्भर बा ओ उहिनसे सक्कु सृष्टि गतिशील बा । यी अलौकिक ब्रह्माण्ड कौनो महान् शक्तिके पासोमे बाँधल बा, जेकर पाँच तत्वसे यी पर्यावरणके निर्माण हुइल बा ।

धर्ती ओ आकाशसँगसँगे जल, वायु ओ अग्नि यकर मुख्य तत्व हो । यकर शुद्धता ओ यकर सन्तुलनमे यी पर्यावरण टिकल बा । पर्यावरणसे सृजित सृष्टिके अस्तित्वसे जीवनके स्पन्दनके लाग हावा, जल, अग्नि सब पोषित करल बा, जेकर पूरक समस्त वनस्पति, नदी, पर्वत, सागर, मैदान सब हो । रुखसे अक्सिजन छोरठ, नदी जीव जन्तुके प्यास मेटाइठ कलेसे बोटबिरुवाहे जीवन डेहठ । पर्वतसे नदी झरठ, सागरसे बादल बनठ । अर्थात् पर्यावरणके सब स्वरूप यी जगत्के स्पन्दन हो, जीवन हो, एकऔरेक अभावमे प्रकृतिके गणित तहस नहस रहठ । जमिन, जल, जंगल, पर्वत, वनस्पति समग्रमे मनै ओ सक्कु जीवधारी प्राणीजगत्के लाग वरदान हो । सब प्राणी ओ स्थावर जंगम यी प्रकृतिके निर्भरतामे रहल बा अर्थात् कोइ कहुँ निरपेक्ष नैहो । पर्यावरणके सहयोगबिना जीवन दुर्लभ किल नैहो अपितु असम्भव बा । यी प्राकृतिक सम्पदाके महत्व ओ संरक्षणके लाग श्रुतिसे आरम्भसे निर्देशन डेना आरम्भ कैसेक्ले रहे ।

पूर्वीय सनातन परम्पाराके चारु वेद, उपवेद, ब्राह्मणग्रन्थ, संहिता, पुराणलगायत हमार धार्मिक सूक्त, दार्शनिक सूक्त ओ लौकिक सूक्तमे भूमि संरक्षण, जल संरक्षण, वर्षाके जलके महत्व, वृक्ष वनस्पति संरक्षण आदिके चर्चा, परिचर्चा करल पाजाइठ । यजुर्वेद (१६/१७-२०) अनुसार, प्रकृति पूजनीय बा, उपभोग्य किल नाइहो । वृक्ष, वन ओ औषधी मानव जीवनके संरक्षक हो, ओइनप्रति कृतज्ञता ओ संरक्षणके भाव आवश्यक बा । वेद ओ वैदिक सूक्तसे परोक्ष रूपमे मनैन्हे पर्यावरणके संरक्षणके निर्देशन प्रदान करल बा । टमान उपनिषद्मे फेन पर्यावरण समृद्धिके कामना करल बा । वैदिक कालसम पर्यावरणके उचित सम्मान हुइल । पर्यावरणके संरक्षण हेतु पुराणकारसे सुन्दर कथात्मक सम्मत शैली अपनाइल । पौराणिक कालमे प्रकृतिसँग अनुचित छेडछाड रोक्न टमान प्राकृतिक सम्पदामे देवत्वके रहस्य विद्यमान रहल बाट उद्घाटन करटि उहाँहुकनके पूजन किल नैहो, अपितु संरक्षणके फेन निर्देश करगिल । बेल, पिपल, वर आदि रुखहे विष्णु, शिव भगवान् आदिके रूप बटागिल ओ यिहिनहे काटे नैपरठ कना ज्ञान प्रदान करगिल ।

श्रीमद्भगवद्गीतामे भगवान् श्रीकृष्ण मनै, नदी, सागर, पर्वत, जमिनलगायत जगत्के चराचर प्राणीहे अपन विभूतिमे रटि अपन विराट स्वरूपमे समाहित रहल बटाइल बा । मनै वनस्पतिके फूल, फल, लहरा आदि भागके समुचित उपभोग करैं, मने पाछे यी सम्मान-भावमे ह्रास हुइ लागल । मनैन्के लोभ बह्रल ओ ऊ प्राकृतिक स्रोतके अनुचित दोहन करना अभ्यस्त हुइ लागल ।

हमार धार्मिक पूजा, अनुष्ठान आदि कार्यमे पात, फल, फूल, लहरा, समिधा (काठ) आदिहे प्रिय पूज्य सामग्री हो मना बताइल पाजाइठ । श्री गणेशपुराणमे भगवान् श्रीगणेशसे सुमेरु पर्वत ओ नदी नाला, पाताल आदिहे अपन विराट रूपके अंग बबटाइल बा । गोवर्धन पर्वतहे श्रीकृष्ण, कैलाश पर्वतहे भगवान् शिव तथा विन्ध्याचल आदि पर्वतहे भगवती आदि शक्तिके निवास स्थान अथवा स्वरूप बताइल बा । धर्तीके उत्तर दिशामे अवस्थित कैलाश पर्वतहे सभ्यताके उत्पत्तिके केन्द्रविन्दु मानल बा । तिब्बतमे परना कैलास पर्वत मानसरोवर ताल ओ राक्षस तालके समीपमे अवस्थित रहल बा ओ यिहे उद्गम स्थलसे एसिया महाद्वीपके प्रमुख नदी सिन्धु, सतलज, ब्रह्मपुत्र ओ कर्णाली बहल बा । हमार पूर्वीय परम्परामे कैलाश पर्वतहे हिन्दु, बौद्ध, जैन ओ बोन कैके चारु धर्मके पवित्र पर्वत मानजाइठ ओ तीर्थाटन करजाइठ । अइसिके पर्वत ओ नदीके मुहानके पूजा, आराधना कैके पर्यावरणके महत्व स्थापना करना कार्य अनादि कालसे रहल उदाहरण यिहिनसे प्रष्ट हुइठ ।

नेपाल, भारतके अनेकौं नदीहे देवलोकके बहुमूल्य सम्पदा घोषित करटि धरतीमे अइनके आगमनहे भगीरथ आदि राजर्षि ओ गौतम आदि ऋषिके कठोर तपस्याके प्रतिफल बताइल बा । नेपाल, भारतके धर्तीमे अवस्थित नदी किनारमे नाना मेरिक तीर्थके स्थापना करल बा ओ यिहिनसे समग्रमे सनातन धार्मिक, आध्यात्मिक महत्वके अलावा पर्यावरणप्रतिके सचेतना ओ ज्ञानके विस्तार करल बोध रहठ ।

औरे तर्फ, पुराणसे साम नीति (सुमधुर नीति) के आश्रय लेके मनैन्हे यी प्राकृतिक सम्पदाके महत्व बुझाइल ओ अइनके दुरुपयोग रोक्न प्रयास करल मिलठ । पाछे जाके लौकिक संस्कृत साहित्यसे फेन पुराणके मनसायके अनुमोदन करल । महाकवि कालिदास पञ्चधा प्रकृति अर्थात् पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाशमे सूर्य, चन्द्रमा ओ यज्ञकर्ताहे फेन जोडके यिहिनहे भगवान् शिवके प्रत्यक्ष अष्टमूर्ति कहिके सम्मानयोग्य घोषित करल । उहाँ सूर्यवंशी राजा दिलीपसे नन्दिनीके सेवा कराके गोमाताके महत्व स्थापित करल ओ मुनिकन्यासे रुखमे पानी डरना विधि बटैटि मृग वृक्ष ओ लता आदिसँग मानवीय सम्बन्धके मार्मिक चित्रण करलैं । गोस्वामी तुलसीदास तुलसीहे सज्जनताके प्रतीक घोषणा करल ओ रामराज्यमे नागरिकसे किल नैहोके मुनिजनसे फेन तुलसीके बिरुवा लगैना उल्लेख करल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

> रामायणके एक प्रसंगमे हनुमानसे लक्ष्मणके उपचारके लाग औषधीके सञ्जीवनी पर्वतहे उचालके लंकाके सुषेण वैद्य सामुन्ने नानल रहे। उ वैद्य प्रकृतिप्रति एकडम जागरूक रहे कना बाट उहाँ हनुमानहे उ पर्वत ओ वनस्पति पुनः पूर्वत स्थानमे ढैके आउ कहिके अह्राइल प्रसंगसे बुझाइठ। यी निर्देशनके आशय वनस्पतिके उचित संरक्षण ओ विकास बाधित नेहुइ कना हो। जनकपुरके पुष्पवाटिकासे ठे परब्रह्म परमेश्वर श्रीरामहे फेन लोभ्याइलरहे कना चर्चासे उ वखत पर्यावरणके सन्तुलन हेतु वनस्पतिके संरक्षणके महत्व उजागर करल बा। करिब दुई शताब्दीआघेसे पर्यावरणप्रति जनमानस पूर्ण रूपमे आक्रान्त हुइल जस्टे लागठ। प्रायः उ समयसे नदी, जल, वायु, गोधन, पशुपन्छी तथा वृक्ष, वनस्पति आदिके मनैन्से निर्ममतापूर्वक दोहन करल बा। यद्यपि कुछ लोप हुइल वनस्पति तथा पशुपन्छीके प्रजातिके संरक्षणके लाग प्रयास करल बा। पर्यावरण ओ मानव कल्याणके लाग हमार परम्परासे गाईके महत्व दर्शाइल बा। गाई चिरकालसे अपन दुध पिलाके मानव जातिहे पुष्ट करटि आइल बा कलेसे अइनसे डेहल गहुँत ओ मलके प्रयोगसे कृषि कार्य सम्भव हुइल पाजाइठ। यसर्थमे फेन गाईके संरक्षण तथा संवर्धनके लाग हम्रे सब तहसे पहल करे परठ कना आजके समयके आवश्यकता रहल बोध रहठ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

राजस्व अनुसन्धान विभाग खारेज हुइना

काठमाडौं, १४ चैत । नवनियुक्त अर्थमन्त्री डा. स्वर्णिम वाग्ले राजस्व अनुसन्धान विभाग ओ ऐन खारेजीके लाग कार्यदल गठन करना निर्णय करल बा । अर्थमन्त्रीके रूपमे शुकके रोज पदबहाली करटि उहाँ उच्चस्तरीय आर्थिक सुधार सुझाव आयोग, २०८१ के प्रतिवेदनके आधारमे मन्त्रीपरिषद्मे लैजाइपरनाहे मन्त्रीपरिषद्मे ओ संसद्मे लैपाइपरनाहे संसद्मे लैजैना बटैलैं । यीसँगे प्रतिवेदनमे उल्लिखित १५ ठो ऐन फेन खारेज करना प्रक्रिया सुरु हुइल बा ।

निवर्तमान अर्थमन्त्री रामेश्वरप्रसाद खनालके अध्यक्षतामे गठित आयोगसे तत्कालीन केपी शर्मा ओलीके सरकारहे अर्थतन्त्र सुधारके सुझाव समोटल ४४७ पृष्ठके प्रतिवेदन बुझाइल रहे ।

प्रतिवेदनसे आय टिकट दस्तुर ऐन, २०१९, कालोबजार तथा कुछ अन्य सामाजिक अपराध तथा सजाय ऐन, २०३२, निजी वनजंगल राष्ट्रियकरण ऐन, २०१३, प्रशासकीय कार्यविधि (नियमित करना) ऐन, २०१३, क्षतिपूर्ति ऐन, २०१९, बिर्ता उन्मूलन ऐन, २०१६, बिर्तावालसे बिर्तामे रकम (भट्टी चर्सा आदि) लगाके लेना खाइ नैपैना ऐन, २०१५, राजस्व चुहावट (अनुसन्धान तथा नियन्त्रण) ऐन, २०५२, विदेशमे लगानी करना प्रतिबन्ध नन्ना ऐन, २०२१, नेपाल एजेन्सी ऐन, २०१४, प्रादेशिक विकास योजना (कार्यान्वित करना) ऐन, २०१३, निकासी पैठारी (नियन्त्रण) ऐन, २०१३, सामाजिक व्यवहार सुधार ऐन, २०३३, नेपाली मुद्राके चलन चल्ती बह्रल ऐन, २०१४ ओ वित्तीय मध्यस्थताके काम करना संस्थासम्बन्धी ऐन, २०५५ सहित १५ से ऐन खारेज करना सरकारहे सुझाव डेहल रहे । नवनियुक्त अर्थमन्त्री वाग्लेसे प्रतिवेदनमे उल्लिखित ओहे ऐन खारेज करना निर्णय करल हो ।

पदबहाली करटि अर्थमन्त्री वाग्ले २०८२ चैत १२ गतेसमके आर्थिक स्थितिपत्र तत्काल तयार करना ओ राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके निर्वाचन वाचा कार्यान्वयनके एक सयदिने, अर्धवार्षिक ओ वार्षिक कार्ययोजना बनैना निर्णय फेन करले बटैं । ओस्टेक उहाँ निजी उद्यम व्यवसाय सुरक्षा एवं प्रवर्धन ओ भारी विकास आयोजना सहजीकरणलगायत नयाँ विधेयक वा ओइनके संशोधनके प्राथमिकीकरण तय करटि बृहत् आर्थिक-कानुनी सुधारके मार्गचित्र बनैना निर्णय फेन करले बटैं ।

पदबहालीपाछे अर्थ मन्त्रालयमातहतके निकायसँगके छलफलमे उहाँ अर्थ राजनीतिक महत्वपूर्ण जनादेशसहित अप्ने आइल ओ नियमित प्रक्रियासे नैहोके क्रम भंग करना बटैलैं । ओस्टेक उहाँ अप्ने कर्मचारीहे गाली करना वा आलोचना करे नैआइल फेन स्पष्ट परलैं ।

सुशासन ओ जनताके हितमे काम करना बाट सम्झौता नैहुइना ओ मुलुकसे नैचाहल 'ट्यांक'हे अपन माया करे नैसेक्ना उहाँक धारणा रहे । "मै राजनीतिक पूर्वाग्रह नैकरठु । पुरान राजनीतिक ओ दलीयकरणके छायाँसे डुर रहे । मै मेरिट हेरठु, इमानदारीहे हेरठ," उहाँ कलैं । टबेमारे उहाँसे कौनो फेन मेरिक घुस खैना वा खुवैना समय ओराइल बटैलैं ।

उ क्रममे अर्थमन्त्री वाग्लेसे बरालल आर्थिक पुनर्संरचना आब ट्र्याकमे नानल ओ आर्थिक अराजकताके रूपान्तरण आगामी बजेटसे हुइना प्रतिबद्धता व्यक्त करलैं । उहाँ अपने एक थान मन्त्री खाइ आइल नैहोके विराट् लक्ष्य लेके आइल फेन बटैलैं ।

राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके उपसभापति रहल अर्थमन्त्री वाग्ले अस्ट्रेलियन नेसनल युनिभर्सिटीसे अर्थशास्त्रमे विद्यावारिधि ओ हार्वर्ड विश्वविद्यालयसे अन्तर्राष्ट्रिय विकासमे स्नातक करले बटैं ।

राष्ट्रिय योजना आयोगके पूर्वउपाध्यक्षसमेत रहल वाग्ले संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रमके एसिया तथा प्रशान्त क्षेत्रके प्रमुख आर्थिक सल्लाहकारके रूपमे जिम्मेवारी पूरा करले बटैं । अर्थतन्त्रके सन्दर्भमे गहिर ज्ञान रहल वाग्ले सुशासन ओ आर्थिक सुधारके सम्बन्धमे प्रखर धारणा ढरठैं ।

पर्यावरण...

उहाँ अयोध्यामे किल नाइहो अपितु रावणके लंकामे फेन अति मनोहर वन, बगैंचा, उपवन ओ बाटिका' के चित्रण करल बा । रामायणके एक प्रसंगमे हनुमानसे लक्ष्मणके उपचारके लाग औषधीके सञ्जीवनी पर्वतहे उचालके लंकाके सुषेण वैद्य सामुन्ने नानल रहे । उ वैद्य प्रकृतिप्रति एकदम जागरूक रहे कना बाट उहाँ हनुमानहे उ पर्वत ओ वनस्पति पुनः पूर्वत स्थानमे ढैके आउ कहिके अह्राइल प्रसंगसे बुझाइठ । यी निर्देशनके आशय वनस्पतिके उचित संरक्षण ओ विकास बाधित नेहुइ कना हो । जनकपुरके पुष्पवाटिकासे ठे परब्रह्म परमेश्वर श्रीरामहे फेन लोभ्याइलरहे कना चर्चासे उ वखत पर्यावरणके सन्तुलन हेतु वनस्पतिके संरक्षणके महत्व उजागर करल बा ।

करिब दुई शताब्दीआघेसे पर्यावरणप्रति जनमानस पूर्ण रूपमे आक्रान्त हुइल जस्टे लागठ । प्रायः उ समयसे नदी, जल, वायु, गोधन, पशुपन्छी तथा वृक्ष, वनस्पति आदिके मनैन्से निर्ममतापूर्वक दोहन करल बा । यद्यपि कुछ लोप हुइल वनस्पति तथा पशुपन्छीके प्रजातिके संरक्षणके लाग प्रयास करल बा । पर्यावरण ओ मानव कल्याणके लाग हमार परम्परासे गाईके महत्व दर्शाइल बा । गाई चिरकालसे अपन दुध पिलाके मानव जातिहे पुष्ट करटि आइल बा कलेसे अइनसे डेहल गहुँत ओ मलके प्रयोगसे कृषि कार्य सम्भव हुइल पाजाइठ । यसर्थमे फेन गाईके संरक्षण तथा संवर्धनके लाग हम्रे सब तहसे पहल करे परठ कना आजके समयके आवश्यकता रहल बोध रहठ ।

पहिले जहाँ प्राकृतिक वायु चले, वहाँ आब एअरकन्डिसन नामक यन्त्रके उत्सर्जनसे वायुमण्डल तप्त बा । उद्योग, कलकारखाना चलैना क्रममे ओइनके उत्सर्जन करना कार्बनलगायत विषाक्त तत्वके उचित व्यस्थापन हुइल नैडेखाइठ । सामाजिक ओ प्रशासनिक तहमे भूमण्डलमे बह्रके तापप्रति चिन्ता टे व्यक्त करजाइठ मने निवारणके समुचित उपाय करल नैहो । केवल कुछ वृक्षरोपण करना अथवा कौनो एक क्षेत्र विशेषमे हरियाली नान्डेहल टबे किल ग्लोबल वार्मिङमे कमी आइ नैसेकठ । चारुओरके ताप लहरके मारसे वन वनस्पति दिन प्रतिदिन नष्ट हुइटि बा कलेसे औरेओर नदी फेन सुख्टि रहल बा । कलकारखानाके फोहोरसे नदी, समुद्र प्रदूषित हुइटि बा । पोखरी ओ तलाउ पुरके ओम्ने विशाल भवन निर्माण हुइल बा । अइसिन कार्य ओ गतिविधिसे मनैन्हे पानी आपूर्ति करना भूगर्भमे रहल पानीके दोहन हसइटिरहल बाट प्रस्ट डेखाइठ । आजके दिनमे नेपाललगायतके विश्वके अनेकौं देशके ग्राम तथा नगरमे सही पर्यावरण संरक्षण नैरहनासे पिना पानीके अभाव रहल हुइल जगजाहेर बा ।

यज्ञ करलेसे बादल बनठ ओ बादलसे वर्षा रहठ कना बाट हमार वेद, पुराण, श्रुति, संहिता, ब्राह्मणग्रन्थ आदिमे वर्णन करल बा । कृषि उत्पादनलगायत जीवनके मूलाधारके रूपमे रहल जलके सम्बन्ध यज्ञसँग रहल बाट आजके दिनमे खास चर्चा हुइल नैहो । श्रीकृष्णसे यमुनाके पानीहे कालियके विषसे मुक्त कराके गोवर्धन पर्वतके पूजा कराइल प्रकृतिके प्रत्येक अंग-प्रत्यंगके महत्व प्रतिपादित करल रहे । गोकुल, वृन्दावनके ऐश्वर्य बह्राइल बाटलगायत कथा, पुराणमे पर्यावरण संरक्षणके खातिर यज्ञ, हवन आदिके आवश्यकताबारे वर्णन करल अनेकौं प्रसंग मिलठ । आज हम्रे यी कथा, आख्यान टे परठ मने यम्ने लुकल आशयहे आत्मसात् करटि बटि कना व्यवहारसे प्रस्ट पारल बा । हम्रे पूर्वीय सनातन परम्परासे दर्शाइल पर्यावरण जगेनाके ज्ञान ओ सार्थकता बुझके सबजे यकर पालना, अनुसरण ओ वन्दना करि, यिहिनसे सम्भावित प्रलयके भयावहसामु रहल हमार पृथ्वी माताके रक्षा ओ कल्याण करे । जयतु पर्यावरणम् ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

मध्यपूर्व तनाव बह्रटि, कूटनीति ओ आक्रमण सँगसँगे

काठमाडौं, १४ चैत । मध्यपूर्वमे जारी द्वन्द्वसे सैन्य आक्रमण ओ कूटनीतिक प्रयासहे एकसाथ आघे बह्राइल बा । यिहिनसे क्षेत्रीय किल नैहोके विश्वव्यापी चास फेन बह्रल बा । पाछेक घटनाक्रमसे युद्ध विस्तारके जोखिम और कायम रहल संकेत डेहल बा कलेसे समाधान खोज्न प्रयास फेन समानान्तर रूपमे चलल बा ।

शुकके बिहान साउदी अरेबिया अपन पूर्वी क्षेत्रमे चार ठो ड्रोन अवरोध कैके नष्ट करल जनाइल बा । यिहिनसे खाडी क्षेत्रमे सुरक्षा चुनौती औरै गम्भीर रहल देखाइल बा । ओहोर, इरानके रिभोलुसनरी गार्ड्ससे आघृक दिन इजरायली लक्ष्य ओ खाडी क्षेत्रमे अमेरिकी सैन्य पूर्वाधारउप्पर मिसाइल तथा ड्रोन आक्रमण कैके दाबी करल बा । बहराइनस्थित अमेरिकी वायु रक्षा प्रणालीके लाग प्रयोग हुइना प्याट्रियट मर्मत केन्द्रहे समेत निशाना बनाइल बटाइल बा ।

यिहेबिच, इजरायली सेना तेहरानके केन्द्र भागमे इरानी संरचनाउप्पर व्यापक आक्रमण करल जनाइल बा । साथे, लेबनानके राजधानी बेरुतके दक्षिणी क्षेत्रमे फेन विस्फोटके घटना सुनल स्थानीय सञ्चार माध्यम जनैले बा, जहाँ हिज्बुल्लाहके प्रभाव बलगर मानजाइठ । एएफपीके संवाददातासे समेत उ विस्फोट पुष्टि करल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं।

- जाडो मौसममा शितलहर, हिमपात, हुस्सु तथा कुहिरो लाग्न सक्ने हुँदा अत्यधिक चिसो हुन सक्छ।
- चिसोको कारण प्रदूषण बढ्ने गर्छ।
- चिसो तथा प्रदूषणको कारण रुघा, खोकी, ज्वरो, सास फेर्न गाह्रो हुने तथा दम बढ्ने समस्या हुन सक्छ।
- चिसो तथा प्रदूषणले मुटु, फोक्सो, मस्तिष्कलगायतका अङ्गमा गम्भीर असर पुग्न सक्छ।
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा, गर्भवती महिला तथा दमका विरामीलाई गम्भीर असर पार्न सक्ने हुँदा धुलो, धुँवा तथा चिसोबाट बचौं र बचाऔं।
- सकेसम्म घरभित्रै बसौं, निस्कनैपर्ने भए न्यानो कपडा लगाएरमात्र निस्कौं।

कुनै समस्या परे चिकित्सकसंग परामर्श गरौं।

बर्दगोरिया गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

'नेपालके जाति ओ भाषाके विषयमे फरक फरक तथ्य बावै'

पहुरा समाचारदाता

टीकापुर, १४ चैत । भाषा विज्ञानके प्राध्यापक डाक्टर माधवप्रसाद पोखरेल नेपालके जाति ओ भाषाके विषयमे अध्ययनपिच्छे फरक तथ्य पैना करल बटैले बटै ।

टीकापुर साहित्य महोत्सवमे प्रा.डा. पोखरेल सीमित इतिहास ओ साहित्य पहेबर एकचीज डेखजैन ओ अध्ययनके सीमा बहटी जाइबर ढेर लावा लावा तथ्य फेन अइटी रहल बटाइल हुइट । प्रा.डा.पोखरेल नेपालसँग मानसरोवर क्षेत्र खसके क्षेत्र रलेसे फेन सातौं शताब्दीमे सङचङ गम्पोले बुकी सुन कब्जा कैना खस राजाके हत्या कैके भूभाग नै कब्जामे लेहल बटैलै ।

डा. पोखरेलके अनुसार नेपालके एकठो किल पुरान आदिवासी कुसुण्डा रहल ओ कौनो भाषाके व्यूत्पत्ति नैरहल कुसुण्डा भाषा नेपालके सबसे पुरान भाषा रलेसे फेन बोलजैना कोइ नैरहल ओरसे लोप हुइ लागल बा । 'राजी भाषाके बारेम भारतके प्रा.डा. कविता रस्तोगी, नेपालके रमेश खत्री ओ दुवीनन्द ढकालसे अध्ययन करे आइल बटै' डा. पोखरेल कहलै, 'राजी भाषा हिमाली भाषा रहल ओरसे भारतके राजी ओ नेपालके राजीके भाषा नैमिलठ् ।

भारतमे डा. कविता अध्ययन करल राजी भाषा नेपाली राउटेसँग मिलठ्' उहाँके अनुसार रोल्पा, रुकुम, बागलुङके मगरके खाम भाषा ओ पुरुबके राई लिम्बुके भाषासँग मिल्ना करल बा ।

नेपालमे आर्य फेन दुईथरी रहल पोखरेलके मत रहल बा । 'वैदिक आर्य ओ इरानी आर्य कैके दुईथरी बटै' पोखरेल कहलै, 'खाँबो गाडके घर बनुइया इरानी आर्य हुइट कलेसे इटा पारके बनुइया वैदिक आर्य हुइट । हिन्दुके ऋग्वेद ओ इरानीके अवेस्ताके कयौं ऋचा मिलल् बावै ।'

ओस्टके, डा. पोखरेल थारुके मूलथलो हाल चीनके राजधानी पेचिङसे पुरुबओर रहल बटैलै । 'थारूहुक्के चीनके याङसी लडिया किनार हुइटी थाइल्यान्ड, बर्मा, आसम हुइटी नेपाल पुगेका हुइट थारुनके रगतके जीन भोट बर्मेलीसँग मिल्ना करल बा' डाक्टर पोखरेल कहलै, 'थारुहुक्के नेपालीके चारकोसे झाडी आँजरपाँजर बैठके धानखेती कैना थारुनके जीवन जंगल, जडिबुटी, मच्छी ओ धानसँग जोरल बा ।' पोखरेलके अनुसार थारू एक जाति अनेक भाषा रहल आग्नेय जाति हो कलेसे कोचिला, मधेश, चितौनियाँ, दङ्गाली, राना थारुके भाषा फरक फरक बावै ओ महाकाली पार बैठुइया थारुनके भोक्सा भाषा छुट्टे बा ।

महोत्सवके औरे सत्रमे आख्यानकार तथा नेपाल सङ्गीत नाटक प्रज्ञा प्रतिष्ठानके कुलपति सरूभक्त राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे पुस्तक गैलेसे भर अक्के पुस्तकके आम्दानीसे सन्ततिके लाग फेन पुगना रहल ओरसे साहित्यकार सक्कु गरिब नैरहठै कना बुझे पर्ना बटैलै । 'भाषा साहित्यके सेवा करेबर धन कमैना लक्ष्य नैरहठ्, पहना लिख्ना कहलक कमाइक लाग किल नैहो' सरुभक्त कहलै, 'पुरस्कार यात्राके बिचमे थकाइ मर्ना पडाउ जस्टे हुइना एकदम पुरस्कार प्राप्त लेखक नैकहिट जस्टे लागठ् ।'

पोखरेली माटीमे साहित्य साधना कैटी तमाम कृति प्रकाशन करल सरुभक्त हाली एक महाकाव्य प्रकाशनमे अइना जानकारी डेलै । उहाँ अपने प्रतिष्ठानके कुलपति हुइबर राजनीतिक हस्तक्षेपविना काम करे पाइ परठ् कना शर्तसहित पदवहाली करल, यकर अवधिमा कौनो समस्या अपने नैभोगल ओ पदमे रहेबर प्रतिगन्ध उपन्यास तयार करल बटैलै ।

टीकापुर साहित्य महोत्सवके उद्घाटन सत्रमे प्रमुख वक्ताके रुपमे बोल्टी सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयके उपकुलपति प्रा.डा. हेमराज पन्त साहित्य महोत्सवमे भाषा, साहित्य, समाज विज्ञानके विविध विषयमे हुइना छलफलसे विश्वविद्यालयहे फेन सहयोग पुग्ना बटैलै ।

'बहस छलफलसे लावा विषय अइना बावै प्रा.डा. पन्त कहलै, 'महोत्सव शुरु हुइनासे आघे टमान क्याम्पसमे रहल लेखन कार्यशालामे सहभागी विद्यार्थीहुक्नहे फेन फाइदा पुगल बा ।' कार्यक्रममे बोल्टी सुदूरपश्चिम प्रज्ञा प्रतिष्ठानके उपकुलपति डा. टीएन जोशी टीकापुर सहित्य महोत्सवसे थारू साहित्य, संस्कृतिहे प्रवर्द्धन कैना ओ यहाँसे आइल बात प्रतिष्ठानसे सम्वोधन कैना बटैलै ।

ओस्टके, महोत्सवके उद्घाटन सत्रमे प्रदेश स्तरीय कविता प्रतियोगिताका विजेताहे पुरस्कृत करल बा । १५ हजार रुपियाँके प्रथम पुरस्कार चेतना शर्महि प्रदान करल रहे ।

दश हजार राशीके द्वितीय पुरस्कार उद्गम मिसनहे ओ पाँच हजार राशीके तृतीय पुरस्कार स्वीकृति शर्महि प्रदान करल रहे कलेसे सान्त्वना पुरस्कार कमल ढुङ्गाना ओ रचना डीसीहे प्रदान करल रहे । महोत्सवके उद्घाटन सत्रमे डोसर संस्करणके स्मारिका फेन सार्वजनिक करल रहे ।

शुखके उद्घाटन हुइल साहित्य महोसत्वके अन्तिम सत्रमे साहित्यकारहुक्के समाज रुपान्तरण कैना सन्देशमूलक जीवन्त रचना वाचन करल रहिट ।

कविता वाचन करुइयामे वरिष्ठ साहित्यकार सरुभक्त, साहित्यकारमे देवकी तिमिल्सिना, श्रेष्ठप्रिया पत्थर, विमला तुम्खेवा, ज्योति जंगल, सुमिना, हेमन्त शिशिर, हेमन्ती जोशी, निभा शाह लगायत कविता प्रस्तुत करल रहिट ।

नेपाली साहित्यमे जीवन्त सिर्जना कैके कविताके माध्यमसे पाठकहे आकर्षित करुइया साहित्यकारहुक्के आपन रचनामार्फत समाजहे सचेत करैना ओ महिला उपर हुइना उत्पीडन, विभेद अन्त्यके सन्देश डेहल रहिट । सिर्जनामार्फत समाजमे विद्यमान विकृति, विसंगति, पितृसतात्मक सोच शैलीके अन्त्य कैके समतामूलक समाज निर्माणके उदघोष उहाँहुक्के करल रहिट ।

टीकापुर साहित्य महोत्सव अँट्वारसम चल्ना बा । थारु साहित्य तथा सांस्कृतिक उत्सव नाउँ डेहल महोत्सवके अन्तिम दिन अँट्वारके थारु साहित्य विशेष कार्यक्रम कैना आयोजकके कहाइ रहल बा ।

टीकापुर साहित्य समाज ओ नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान सुदूरपश्चिमके संयुक्त आयोजनामे हुइटी रहल टीकापुर महोत्सवमे २७ प्यानल डिस्कशनके सत्र रहना महोत्सवके संयोजक महेशविक्रम शाह बटैलै ।

विकासके पर्खाईमे दुर्गम गाउँ बस्ती

बाजुरा, १४ चैत । मानव सूचांकके आधारमे बाजुरा देशके ७७औं स्थानमे परठ् ।

यहाँके अधिकांश गाउँ बस्तीमे स्वास्थ्य, शिक्षा, खानेपानी, सडक, पुल लगायतके भौतिक पूर्वाधारके अभाव रहल बा । २०७५ सालसे स्थानीय तहसे कुछ गाउँ बस्तीमे आंशिक विकास करलेसे फेन दुर्गम गाउँ बस्ती भर विकासके पर्खाईमे रहल बावै । भौगोलिक रूपमे विकट रहल इ गाउँ बस्तीमे स्थानीयसे स्वास्थ्य, शिक्षा, खानेपानी, सडक ओ विद्युत् सुविधा पाइल नैहुइट ।

ओम्हे मध्येके एक हो हिमाली गाउँपालिका । इ पालिका नेपालके सबसे विकट, दुर्गम ओ पाछे परल पालिकामध्ये एक हो । जिल्लाके करिब ४३ प्रतिशत भूभाग ओगटल इ पालिकाके गाउँ बस्ती छिट्कल रहल बावै । साविकके रुगिन, बिच्छ्या ओ बाधु गाविस मिलके बनल इ पालिकाके एक बस्तीसे औरे बस्ती पुगक लाग समेत दुई-चार दिन पैदल यात्रा लागठ् ।

अइसीन कठिन भूगोलमे स्थानीय सरकार ओ राज्यके लाग नागरिकहे आधारभूत सेवा पुगैना चुनौती बा । स्थानीय सरकार गठन हुइनासे आघे यहाँके स्वास्थ्य सेवा कहलक वनपाखामे रहल जडीबुटी ओ धामीझाँक्रीसे झारफुकमे सीमित रहे ।

हिमाली गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा प्रमुख राजबहादुर भण्डारी कहलै, "हिमाली गाउँपालिकामे पहिले दुईठो स्वास्थ्य चौकी रहे, जौन बरबार भूगोल ओ जनसंख्याहे सेवा डेना असक्षम रहे । स्थानीय सरकार गठनपाछे गाउँ-गाउँमे स्वास्थ्य संस्था अभियान अन्तर्गत १३ स्वास्थ्य संस्थामे आवश्यक कर्मचारी व्यवस्थापन कैके नागरिकसम सेवा पुगैना प्रयास हुइटी रहल बा ।"

मने उहाँ कहलै, "भौगोलिक अवस्थाका कारण आउर चुनौती बाँकी बावै । कुछ महिलाहे एम्बुलेन्स मार्फत उद्धार करल रलेसे फेन कुछके अवस्था ढिला पुगेबर शिशुके ज्यान गैल बा । दुर्गम गाउँ बस्तीके महिला स्वास्थ्य-शिक्षा पहुँचसे बाहर बटै ।"

हाल निर्माण हुइल ग्रामीण सडकसे कुछ गाउँ बस्तीमे गाडी चल्ना सहज हुइल बा, मने अन्य बस्तीमे सडक नैपुगल कारण स्वास्थ्य संस्थामे पुगेबर महिला बिच डगरामे सुत्केरी हुइना बाध्य बटै ।

स्थानीय सरकारके प्रयास प्रशंसनीय रलेसे फेन स्रोत-साधनके अभावके कारण अपेक्षित परिणाम हासिल हुइ सेकल नैहो । अइसीन विकट क्षेत्रमे सडक, सञ्चार, स्वास्थ्य सेवा, एम्बुलेन्स पहुँच ओ जनशक्ति व्यवस्थापन अत्यन्त आवश्यक बा ।

केन्द्रीय सरकारके ध्यान अइसीन दुर्गम बस्तीमे जैना जरुरी बा । स्थानीय सरकारहे पर्याप्त बजेट, जनशक्ति ओ पूर्वाधार उपलब्ध करागैलेसे किल नागरिक संविधानसे सुनिश्चित करल आधारभूत अधिकार महसुस करे सेकही ।

हिमाली गाउँपालिकाके समग्र विकासके लाग स्थानीय सरकारसे केन्द्रसँग घरी घरी माग रख्टी आइल रलेसे फेन राज्यके सुनुवाई हुइल नैहो । पूर्वाधार ओ विकासमे पिछडल बुढीगङ्गा, त्रिवेणी, खप्तड, छेडेदह, बडीमालिका लगायतके दुर्गम बस्ती आभिन विकासके पर्खाईमे बावै ।

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

क्षयरोगबाट बचौं र बचाऔं।

- खोक्दा र हाछ्युँ गर्दा मुख छोप्ने तथा मास्क प्रयोग गर्ने बानी बसालौं,
- दुई हप्ताभन्दा बढी खोकी लागेमा तुरुन्त स्वास्थ्य संस्थामा जाँच गराऔं,
- क्षयरोग लागेमा निःशुल्क परीक्षण र उपचार सेवा प्राप्त गरौं,
- नियमित औषधि सेवनले क्षयरोग निको हुन्छ, चिकित्सकको सल्लाहअनुसार औषधि सेवन गरौं,
- क्षयरोग लागेको विरामीको सम्पर्कमा रहँदा सतर्क बनौं,
- विरामीलाई भेदभाव नगरौं, साथ र सहयोग दिऔं,
- क्षयरोग लागेको विरामीलाई पोषणयुक्त खाना र सरसफाइमा ध्यान दिऔं,

"क्षयरोग निको हुन्छ" भन्ने सन्देश फैलाऔं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

चिसो मौसममा हुने स्वास्थ्य समस्याबाट बचौं।

जाडो तथा चिसोको समयमा:

- मौसमी रुघाखोकी, भाईरल ज्वरो, छातीको समस्या, दम, निमोनिया, झाडापखला, छाला सुख्खा हुने, जोर्नी दुखाई, पिनास, टन्सिल, हृदयघात लगायतका स्वास्थ्य समस्या देखा पर्न सक्छन् ।
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा तथा दीर्घरोगीहरू बढी प्रभावित हुन सक्छन् ।
- चिसो मौसममा बाक्लो र न्यानो कपडा लगाऔं ।
- तातो, पोषिलो र झोलिलो खानेकुरा खाऔं र खुवाऔं ।
- शारीरिक व्यायाम गरौं, धुम्रपान/मद्यपान नगरौं ।
- घर तथा कोठा न्यानो बनाऔं ।
- नियमित घाम ताप्ने गरौं ।

स्वास्थ्यमा समस्या देखिए चिकित्सकको परामर्श लिऔं ।

लम्की-चुहा नगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय

लम्की, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९